|| मेहंदीपुर बालाजी की आरती ||

ॐ जय हनुमत वीरा, स्वामी जय हनुमत वीरा | संकट मोचन स्वामी, तुम हो रनधीरा ||

ॐ जय हनुमत वीरा, स्वामी जय हनुमत वीरा ||

पवन पुत्र अंजनी सूत, महिमा अति भारी | दुःख दरिद्र मिटाओ, संकट सब हारी ||

ॐ जय हनुमत वीरा, स्वामी जय हनुमत वीरा ||

बाल समय में तुमने, रवि को भक्ष लियो | देवन स्तुति किन्ही, तुरतहिं छोड़ दियो ||

ॐ जय हनुमत वीरा, स्वामी जय हनुमत वीरा ||

कपि सुग्रीव राम, संग मैत्री करवाई | अभिमानी बलि मेटयो, कीर्ति रही छाई ||

ॐ जय हनुमत वीरा, स्वामी जय हनुमत वीरा ||

जारि लंक सिय-सुधि ले आए, वानर हर्षाये | कारज कठिन सुधारे, रघुबर मन भाये ||

ॐ जय हनुमत वीरा, स्वामी जय हनुमत वीरा ||

शक्ति लगी लक्ष्मण को, भारी सोच भयो | लाय संजीवन बूटी, दुःख सब दूर कियो ||

ॐ जय हनुमत वीरा, स्वामी जय हनुमत वीरा ||

रामहि ले अहिरावण, जब पाताल गयो | ताहि मारी प्रभु लाय, जय जयकार भयो ||

ॐ जय हनुमत वीरा, स्वामी जय हनुमत वीरा ||

राजत मेहंदीपुर में, दर्शन सुखकारी | मंगल और शनिश्चर, मेला है जारी ||

ॐ जय हनुमत वीरा, स्वामी जय हनुमत वीरा ||

श्री बालाजी की आरती, जो कोई नर गावे | कहत इन्द्र हर्षित, मनवांछित फल पावे ||

ॐ जय हनुमत वीरा, स्वामी जय हनुमत वीरा ||

www.hanumanchalisalyric.com